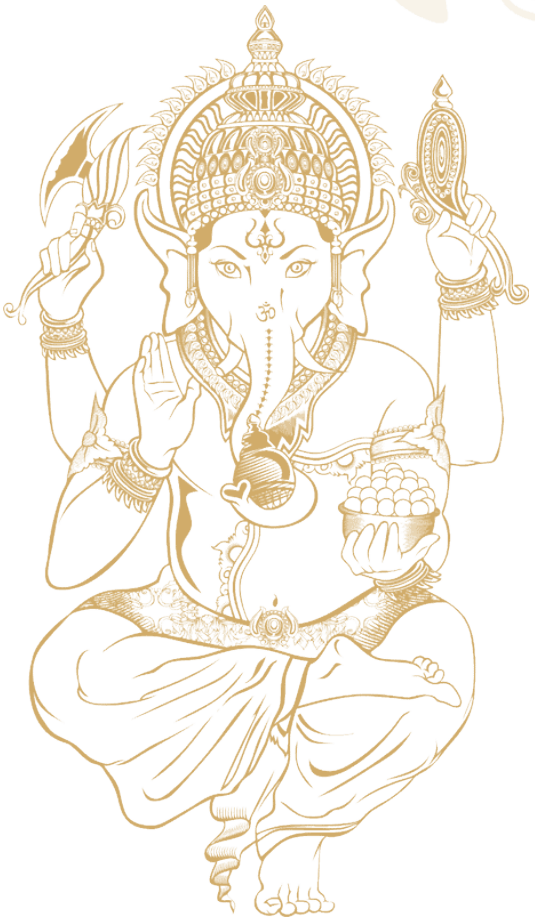

Mr. Sumit

Ms. Vidhya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119225402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/01/1998	जन्म तिथि	09/11/1995
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 07:40:00	जन्म समय	16:55:00 घंटे
घटी 01:38:31	जन्म समय(घटी)	26:08:00 घटी
India	देश	India
Itarsi	स्थान	Itarsi
22:39:00 उत्तर	अक्षांश	22:39:00 उत्तर
77:48:00 पूर्व	रेखांश	77:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:48	स्थानिक संस्कार	-00:18:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:00:35	सूर्योदय	06:27:48
17:48:41	सूर्यास्त	17:37:21
23:49:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:03

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 2वर्ष 4मा 1दि		00:41:48	मक	लग्न	मेष	11:20:05	चन्द्र 4वर्ष 8मा 22दि	
शुक्र		21:43:06	धनु	सूर्य	तुला	22:46:52	गुरु	
10/05/2007		28:09:57	मीन	चंद्र	वृष	17:01:40	02/08/2025	
10/05/2027		20:56:49	मक	मंगल	वृश्चि	20:25:44	02/08/2041	
शुक्र	08/09/2010	28:43:51	वृश्चि	बुध	तुला	14:33:06	गुरु	20/09/2027
सूर्य	09/09/2011	29:29:43	मक	गुरु	वृश्चि	23:57:15	शनि	02/04/2030
चन्द्र	09/05/2013	07:58:10	मक व	शुक्र	वृश्चि	13:43:13	बुध	08/07/2032
मंगल	09/07/2014	20:05:43	मीन	शनि व	कुंभ	24:19:45	केतु	14/06/2033
राहु	09/07/2017	18:26:23	सिंह व	राहु व	तुला	02:38:23	शुक्र	13/02/2036
गुरु	09/03/2020	18:26:23	कुंभ व	केतु व	मेष	02:38:23	सूर्य	01/12/2036
शनि	10/05/2023	13:34:08	मक	हर्ष	मक	03:12:38	चन्द्र	02/04/2038
बुध	10/03/2026	05:18:08	मक	नेप	धनु	29:19:05	मंगल	09/03/2039
केतु	10/05/2027	13:06:22	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:08:51	राहु	02/08/2041

लग्न-चलित

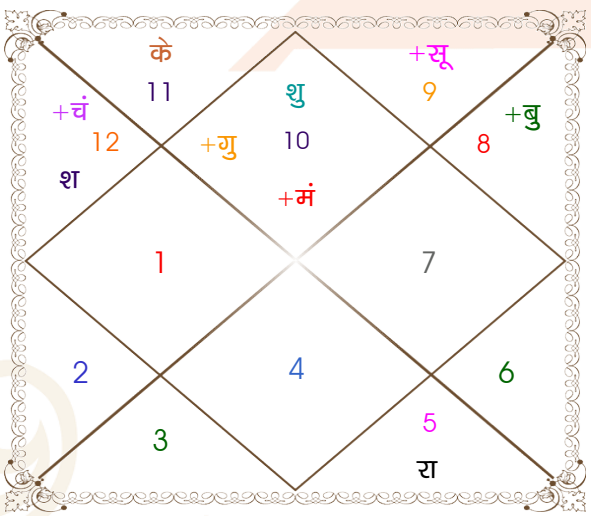

लग्न-चलित

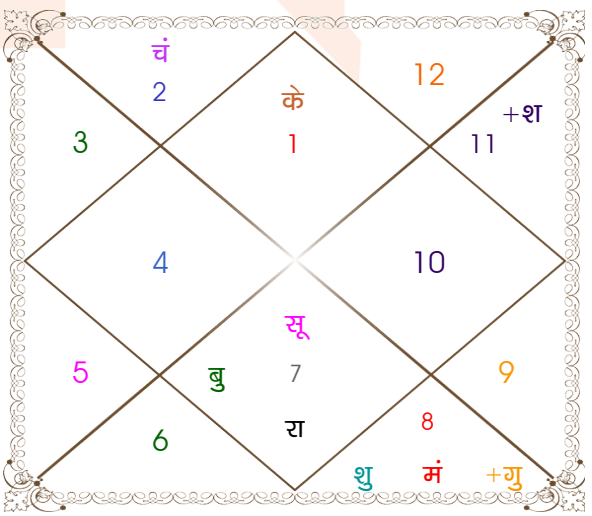

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. Sumit का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. Vidhya का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr. Sumit का वर्ग सिंह है तथा Ms. Vidhya का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Sumit और Ms. Vidhya का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Sumit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Mr. Sumit कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Sumit कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. Sumit कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Vidhya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Vidhya कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms. Vidhya कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. Vidhya कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Sumit कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. Sumit कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Sumit तथा Ms. Vidhya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।